MA/HIN/1/CC1

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा (प्रथम)

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(5×2= 10 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×15= 60 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

भाषा व भाषा सिद्धांतों से परिचित कराना।

हिंदी के विकास, विविध रूप एवं प्रयोजनमूलकता से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. हिंदी भाषा के बारे में विद्यार्थियों को सामान्य जानकारी देना।
2. भाषा विज्ञान के विभिन्न अवयवों की जानकारी मिलेगी।
3. हिंदी भाषा के विकास एवं उसकी बोलियों का ज्ञान होगा।

खंड—क

भाषा की परिभाषा, भाषा की प्रकृति, भाषा-व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषाविज्ञान की परिभाषा, भाषाविज्ञान के अध्ययन की शाखाएँ, ध्वनि उत्पत्ति, ध्वनि यंत्र, ध्वनियों के भेद, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि के कारण।

खंड-ख

वाक्य की परिभाषा, वाक्य के प्रकार, वाक्य अर्थ से अभिप्राय: शब्द एवं अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।

खंड-ग

प्राचीन भारतीय लिपियों का इतिहास, देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, देवनागरी लिपि के दोष।

खंड-घ

हिंदी भाषा की उप-भाषाएँ एवं बोलियों का वर्गीकरण, ब्रजभाषा की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना, अवधी की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना, खड़ी बोली की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना।

संदर्भ सूची:

1. सामान्य भाषा विज्ञान, बाबूराम सक्सेना, साहित्य सम्मेलन प्रयाग,
2. हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार इलाहाबाद
3. हिंदी भाषा उद्भव और विकास: हरदेव बाहरी, किताब महल इलाहाबाद
4. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी भाषा का इतिहास, धीरेन्द्र वर्मा हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग

MA/HIN/1/CC5

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा (द्वितीय)

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(5×2= 10 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×15= 60 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

भाषा व भाषा के सिद्धांतों, हिंदी भाषा के विकास, विविध रूप व प्रयोजनमूलकता से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. हिंदी भाषा के बारे में विद्यार्थियों को सामान्य जानकारी देना।
2. भाषा विज्ञान के विभिन्न अवयवों की जानकारी मिलेगी।
3. हिंदी भाषा के विकास एवं उसकी बोलियों का ज्ञान होगा।

खंड—क

प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक, पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना।

खंड-ख

मानक हिंदी की ध्वनियाँ, मानक हिंदी और खड़ीबोली में अंतर, हिंदी की संवैधानिक व्यवस्था, हिंदी राजभाषा के रूप में, राष्ट्रीय आन्दोलन के संदर्भ में हिंदी का योगदान।

खंड-ग

हिंदी की व्याकरणिक संरचना: संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रिया-विशेषण, लिंक, वचन, कारक, अव्यय, निपात।
हिंदी में शब्द—संरचना: उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास।

खंड-घ

हिंदी के विविध रूप: संपर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा,
हिंदी भाषा शिक्षण: स्वरूप एवं उद्देश्य, हिंदी में कंप्यूटर सुविधाएँ: आँकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन।

संदर्भ सूची:

1. सामान्य भाषा विज्ञान, बाबूराम सक्सेना, साहित्य सम्मेलन प्रयाग,
2. हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार इलाहाबाद
3. हिंदी भाषा उद्भव और विकास: हरदेव बाहरी, किताब महल इलाहाबाद
4. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी भाषा का इतिहास, धीरेन्द्र वर्मा हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग

MA/HIN/4/DSC11

प्रवासी हिंदी साहित्य

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(5×2= 10 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×15= 60 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

हिंदी के प्रवासी साहित्यकारों से रूबरू होना। विस्थापन की समस्या, कारणों और प्रभावों की पड़ताल करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. विश्व हिंदी साहित्य की अवधारणा की समझ विकसित करना।
2. विश्व साहित्य की विभिन्न विधाओं के सहित्य से परिचित होगा।
3. भारतीय साहित्य के साथ तुलना की समझ विकसित होगी।
4. विश्व साहित्य की आलोचनात्मक समझ में अभिवृद्धि होगी।

खंड—क

भारत से विस्थापन का इतिहास एवं उसके कारण, प्रवासी साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं विकास।

खंड-ख

हिंदी में प्रवासी लेखन का आरम्भ, प्रवासी लेखन की प्रवृत्तियाँ।

खंड-ग

लाल पसीना—अभिमन्यु अनंत (राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली)

खंड-घ

कहानियाँ (कथालंदन, सम्पादक सूरजप्रकाश, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली)

1. कोख का किराया - तेजेन्द्र शर्मा

2. घर का ठूंठ – सैल अग्रवाल

संदर्भ सूची:

1. प्रवासी संसार—सम्पादक राकेश पाण्डेय, दिल्ली
2. प्रवासी कहानियाँ –सम्पादक हिमांशु जोशी, साहित्य अकादमी, पंचकूला।
3. समकालीन कथा साहित्य: सरहदें व सरोकार—डॉ रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला।